EDITION :AUGUST -JANUARY2026

Shri Vaishnav College of Arts and Commerce Hindi News Paper

उठो, जागो और लक्ष्य की प्राप्ति तक मत रुको-सूर्य नमस्कार से साकार होंगे स्वामी विवेकानंद के सपने : डॉ. परितोष अवस्थी

इंदौर। श्री वैष्णव कॉलेज ऑफ आर्ट्स एंड कॉमर्स, इंदौर में 12 जनवरी 2026, सोमवार को स्वामी विवेकानंद जयंती एवं राष्ट्रीय युवा दिवस के अवसर पर राष्ट्रीय सेवा योजना (NSS) एवं रेड रिबन क्लब के संयुक्त तत्वावधान में सामूहिक सूर्य नमस्कार कार्यक्रम का आयोजन किया गया | इस अवसर पर महाविद्यालय के प्राध्यापकगणएवं लगभग 100 के लगभग विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक सूर्य नमस्कार कर योग के प्रति अपनी प्रतिबद्धता व्यक्त की। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए *महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. परितोष अवस्थी ने स्वामी विवेकानंद के प्रेरक वाक्य को उद्धृत करते हुए कहा—"उठो, जागो और तब तक मत रुको जब तक लक्ष्य की प्राप्ति न हो जाए।" उन्होंने कहा कि आज के युवाओं के लिए योग केवल शारीरिक व्यायाम नहीं, बल्कि आत्मबल, अनुशासन और सकारात्मक सोच का माध्यम है।संचालन डॉ ललित चौहान और आभार डॉ जी. एस भाटिया ने व्यक्त किया

लिट चौक-जहाँ शब्दों और कला को मिलता है नया मंच

इन्दौर। श्री वैष्णव कॉलेज ऑफ आर्ट्स एंड कॉमर्स में लिट चौक टीम के आगमन पर स्वागत एवं ऑडिशन कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ प्रो. विभोर ऐरन एवं डॉ. राकेश उपाध्याय द्वारा अतिथियों का स्वागत कर किया गया। इस अवसर पर 200 से अधिक विद्यार्थियों ने विभिन्न साहित्यिक एवं सांस्कृतिक विधाओं में अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया, जिनमें से 40 विद्यार्थियों का चयन किया गया। निर्णायक के रूप में श्रीमती विभा व्यास एवं श्री धीरज चौहान उपस्थित रहे। प्राचार्य डॉ. परितोष अवस्थी ने चयनित विद्यार्थियों को शुभकामनाएं दीं। कार्यक्रम का संयोजन डॉ. वंदना मिश्र द्वारा किया गया, संचालन कु. आशी ओझा ने किया तथा आभार डॉ. अंजू अग्रवाल ने व्यक्त किया।

कॉलेज की आधिकारिक जानकारीके लिए Instagram व YouTube पर फॉलो करें
svcac_media
svcc news

ग्रंथालय के जनक रंगनाथन की जयंती मनाई गयी

इंदौर। गुमाश्ता नगर स्थित श्री वैष्णव कॉलेज ऑफ आर्ट्स एंड कॉमर्स में पुस्तकालय के वैज्ञानिक स्वरूप के जनक श्री एस. आर. रंगनाथन की 133वीं जयंती पूर्ण श्रद्धा और उत्साह के साथ मनाई गई। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि एवं महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. परितोष अवस्थी ने विद्यार्थियों को रंगनाथन जी के जीवन, कार्य एवं योगदान की विस्तृत जानकारी दी। प्रो. विभोर ऐरन ने बताया कि -यह गौरव की बात है कि महाविद्यालय नेशनल डिजिटल लाइब्रेरी ऑफ इंडिया क्लब का सक्रिय सदस्य है। इसके अंतर्गत विद्यार्थियों को डिजिटल संसाधनों से जुड़ने का अवसर प्राप्त हो रहा है। डॉ. साक्षी मोटवानी ने इस क्लब में पंजीकरण की प्रक्रिया की जानकारी दी। कार्यक्रम का संचालन बी.ए. तृतीय वर्ष की छात्रा कशिश उपाध्याय ने किया तथा आभार डॉ. प्रणव श्रोत्रिय ने व्यक्त किया।

अनंत चतुर्दशी का भव्य रंगारंग कार्यक्रम सम्पन्न

गुमास्ता नगर स्थित श्री वैष्णव कॉलेज ऑफ आर्ट्स एण्ड कॉमर्स में अनंत चतुर्दशी के अवसर पर श्री गणेश का विसर्जन किया गया। उमंग, उत्साह व भक्ति के रंग में महाविद्यालय के सभी छात्र-छात्राएं विभिन्न सांस्कृतिक वेशभूषा में उपस्थित रहे। इस अवसर पर महाविद्यालय के प्राचार्य ने सार्वजनिक गणेशोत्सवके महत्व को बताया। उन्होंने कहा - सांस्कृतिक पर्व समाज को एकजुट करने के लिए आवश्यक है। सार्वजनिक रूप से त्यौहारों के आयोजन से समाज व नई पीढ़ी अपनी संस्कृति से जुड़ती है व उसके महत्व को जानती है। उन्होंने पूरे संसार के विघ्नों को हरने के लिए बप्पा श्री गणेश से प्रार्थना की।इस अवसर पर महाविद्यालय की प्रो. वंदना मिश्रा ने बताया कि इस वर्ष महाविद्यालय द्वारा आयोजित माटी गणेश निर्माण कार्यशाला में सभी मूर्तियों में एक-एक पौधों के बीज मिश्रित थे ताकि विसर्जन के पश्चात श्री गणेश प्रकृति के रूप में हमारे साथ सदा रहें। महाआरती व छप्पन भोग के पश्चात गणेश जी का विसर्जन किया गया व उनसे अगले वर्ष पुनः जल्द आने की प्रार्थना की गई।

SVCAC TIMES EDITORIAL BOARD

Dr Paritosh Awasthi (Hon. Principal) Editor In Chief

Prof Satyam Panchal Editor

Miss Kanika Sisodiya layout artist, Reporter

Mr. Abhishek Rawal Reporter,writer

SVCAC TIMES

EDITION :AUGUST -JANUARY 2026

Shri Vaishnav College of Arts and Commerce Hindi News Paper

युवाओं में सोशल मीडिया के संतुलित उपयोग का संदेश देता नुक्कड़ नाटक

इंदौर। श्री वैष्णव कॉलेज ऑफ आर्ट्स एंड कॉमर्स, इंदौर एवं एन डी एल आई क्लब द्वारा महिला अधिकार संरक्षण समिति तथा आईक्यूएसी (एसवीसीएसी, इंदौर) के अंतर्गत सांस्कृतिक एवं विद्यार्थी गतिविधि समिति के सहयोग से दिनांक 13 दिसंबर 2025 (शनिवार) को महाविद्याल परिसर में सामाजिक जागरूकता को समर्पित एक प्रभावशाली नुक्कड़ नाटक का आयोजन किया गया।नुक्कड़ नाटक के माध्यम से विद्यार्थियों ने यह संदेश दिया कि सोशल मीडिया जहाँ एक ओर सूचना,संवाद और अभिव्यक्ति का सशक्त माध्यम है, वहीं दूसरी ओर इसका असंतुलित उपयोग तनाव, चिंता और मानसिक दबाव का कारण भी बन सकता है। प्रस्तुति का उद्देश्य सोशल मीडिया की दोहरी प्रकृति को उजागर करते हुए युवाओं को इसके सकारात्मक सीमित और विवेकपूर्ण उपयोग के प्रति जागरूक करना रहा। इस नुक्कड़ नाटक में 12 छात्राओं के समूह ने सशक्त अभिनय के माध्यम से विषय को प्रभावी ढंग से प्रस्तुत किया। कार्यक्रम में महाविद्यालय के 150 से अधिक छात्र-छात्राएँ एवं प्राध्यापक उपस्थित रहे।कार्यक्रम के अंत में महाविद्यालय के प्राचार्य *डॉ. परितोष अवस्थी ने छात्राओं के उत्कृष्ट प्रदर्शन की सराहना करते हुए कहा कि आज के डिजिटल युग में युवाओं का सोशल मीडिया के प्रति जागरूक और संतुलित दृष्टिकोण रखना अत्यंत आवश्यक है संचालन डॉ. अंजु अग्रवाल द्वारा किया गया । कार्यक्रम की संयोजक डॉ. वंदना मिश्रा रहीं तथा आभार प्रदर्शन प्रोफेसर रश्मि पाठक द्वारा किया गया। इस अवसर प्रो विभोर ऐरन व डॉ राकेश उपाध्याय एवं, डॉ. प्रियंका सिंदल, प्रो. सत्यम पांचाल, प्रो. मीनल केशनिया सहित अन्य प्राध्यापक उपस्थित रहे। प्रबंधन वर्ग के पदाधिकारियों ने अपनी शुभकामनाएं प्रेषित की।

200 विद्यार्थियों ने बनाई ईको फ्रेंडली प्रतिमाएं|

इंदौर। श्री वैष्णव कॉलेज ऑफ़ आर्ट्स एंड कॉमर्स सांस्कृतिक समिति और एन डी एल आई ने माटी की गणेश प्रतिमा निर्माण कार्यशाला का आयोजन किया। हेमलता कुमार व डॉ. परितोष अवस्थी ने दीप जलाकर कार्यशाला की शुरूआत की। सोनाली नेरकर, नसीम अली, डेजी छेतिया और दीक्षिता अग्रवाल ने 200 विद्यार्थियों को ईको फ्रेंडली प्रतिमा निर्माण का प्रशिक्षण दिया। डॉ. वंदना मिश्रा ने बताया कि इस अवसर पर प्रो. विभोर ऐरन, डॉ. राकेश उपाध्याय, डॉ. ललित चौहान, डॉ. साक्षी मोटवानी सहित अन्य लोग मौजूद थे।

रा .से .यो द्वारा विशेष शिविर का समापन

इन्दौर । श्री वैष्णव कॉलेज ऑफ़ आर्ट्स एंड कॉमर्स, के अंतर्गत ग्राम तिलौर खुर्द में आयोजित राष्ट्रीय सेवा योजना का सात दिवसीय शिविर का समापन किया गया। शिविर के दौरान

स्वयंसेवकों द्वारा विविध रचनात्मक, बौद्धिक एवम सामाजिक गतिविधियाँ संचालित की गईं , जिनके माध्यम से ग्राम विकास, स्वच्छता, सामाजिक जागरूकता एवं नैतिक मूल्यों पर विशेष बल दिया गया। कार्यक्रम में अरविन्द गुप्ता, राजेश पांडे डॉ. परितोष अवस्थी डॉ. जीएस भाटिया, डॉ. प्रणव श्रोत्रिय , डॉ. ललित चौहान, डॉ. अनिल शर्मा, , मौजूद थे।

इंदौर।श्री वैष्णव कॉलेज ऑफ आर्ट्स एंड कॉमर्स में गत दिनों को वार्षिक खेल महोत्सव का भव्य शुभारंभ हुआ। एक सप्ताह तक चलने वाले इस महोत्सव में विभिन्न खेल स्पर्धाओं का आयोजन किया जाएगा, जिसका उद्देश्य विद्यार्थियों में शारीरिक फिटनेस, खेल-कौशल और स्वस्थ प्रतिस्पर्धा की भावना को बढ़ावा देना है।मुख्य अतिथि के रूप में कॉलेज शा सी के अध्यक्ष श्री अरविन्द गुप्ता और सचिव श्री महेश चिमनानी उपस्थित रहे। अध्यक्ष श्री अरविन्द गुप्ता ने अपने उद्बोधन में कहा कि आज के समय में विद्यार्थियों के लिए मानसिक और शारीरिक रूप से सशक्त होना अत्यंत आवश्यक है।

श्री वैष्णव कॉलेज ऑफ आर्ट्स एंड कॉमर्स में वार्षिक खेल महोत्सव का भव्य शुभारंभ

खेल जीवन में अनुशासन, एकाग्रता और ऊर्जा का संचार करता हैं।"सचिव श्री महेश चिमनानी ने छात्रों को संदेश देते हुए कहा कि अकादमिक गतिविधियों के साथ खेलों में नियमित भागीदारी उन्हें नए अवसर प्रदान करती है और सर्वांगीण विकास सुनिश्चित करती है। महोत्सव के समन्वयक प्रो. विभोर ऐरन ने बताया कि कार्यक्रम में क्रिकेट, बैडमिंटन, टेबल टेनिस, शतरंज सहित कई खेल शामिल हैं, जिनमें विद्यार्थी अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करेंगे। उन्होंने कहा कि इस खेल महोत्सव का मुख्य उद्देश्य टीमस्पिरिट और सकारात्मक खेल भावना को मजबूत करना है।लगभग 350 विद्यार्थियों ने विभिन्न स्पर्धाओं में उत्साहपूर्वक भाग लिया।महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. परितोष अवस्थी एवं प्रबंधन वर्ग ने सभी प्रतिभागियों, स्टाफ और आयोजन समिति को शुभकामनाएँ देते हुए इस पहल की सराहना की |कार्यक्रम का संचालन प्रो. डॉ. मनीष दुबे ने किया तथा आभार प्रदर्शन स्पोर्ट्स ऑफिसर डॉ. वी. एस. राणा द्वारा किया गया।

उपलब्धियों से सजा जनवरी 2026

इंदौर जनवरी 2026 का माह श्री वैष्णव कॉलेज ऑफ आर्ट्स एंड कॉमर्स, इंदौर के लिए गौरव और सफलता का प्रतीक बनकर उभरा। महाविद्यालय के प्रतिभाशाली छात्र-छात्राओं ने विभिन्न मंचों पर अपने उत्कृष्ट प्रदर्शन से महाविद्यालय का नाम रोशन किया। 28 जनवरी 2026 को अरिहंत कॉलेज में आयोजित फायरलेस कुकिंग प्रतियोगिता में कु. पूर्वी तोकदार (बी.ए. प्रथम वर्ष) ने प्रथम स्थान प्राप्त कर ₹1000/- नगद पुरस्कार, ट्रॉफी एवं प्रमाण-पत्र अर्जित किए। इसी दिन आयोजित राज्य स्तरीय वाद-विवाद प्रतियोगिता में, 60 से अधिक प्रतिभागियों के मध्य कु. संस्कृति शर्मा ने अपने सशक्त विचारों से प्रथम स्थान प्राप्त कर ₹5555/- नगद पुरस्कार, ट्रॉफी एवं प्रमाण-पत्र से सम्मानित हुईं। 29 जनवरी 2026 को पी.एम.बी. गुजराती कॉलेज, इंदौर में आयोजित समूह नृत्य प्रतियोगिता में महाविद्यालय की टीम ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। विजेता विद्यार्थी को ₹3100/- नगद पुरस्कार, ट्रॉफी, मेडल एवं प्रमाण-पत्र प्रदान किए गए। उल्लेखनीय है कि इससे पूर्व इन्हीं विद्यार्थियों ने एम.के.एच.एस. गुजराती कॉलेज में भी प्रथम स्थान प्राप्त कर ₹5000/- नगद पुरस्कार जीता था।

इसी क्रम में अरिहंत कॉलेज में आयोजित फैशन शो प्रतियोगिता में मोहित सोनवानिया एवं अन्वेषा गंगराड़े (बी.कॉम प्रथम वर्ष) ने प्रथम स्थान प्राप्त कर ₹3000/- नगद पुरस्कार, ट्रॉफी एवं प्रमाण-पत्र से महाविद्यालय को गौरवान्वित किया।

प्राचार्य की कलम से ....

जिंदगी का यह टर्निंग पॉइंट है, अब आप बड़े हो गए हो..

स्कूल की चारदीवारी को सफलतापूर्वक लांघकर आप आजाद हो गए। अब स्कूल के अनुशासन की बेड़ियां कॉलेज की चौखट पर टूट जाएंगी। मन मस्तिष्क में कॉलेज जाने का आकर्षण रहेगा। कॉलेज की मौज-मस्ती, क्लास अटेंड करना या न करना आपके मूड व दोस्तों के मूड पर रहेगा। दिन कहाँ पूरा हो जाएगा यह पता ही नहीं चलेगा। नए दोस्तों का साथ, नए परिधान, नई मोटर बाइक, नया सेल फोन, नई कॉफी शॉप और भी न जाने क्या-क्या। अब आप जैसे ही कॉलेज में जाएंगे एक महत्वपूर्ण घटना आपके साथ होगी। आपको दोस्तों का एक नया ग्रुप मिलेगा। यह नया ग्रुप आपकी जिंदगी का टर्निंग पॉइंट होगा। कॉलेज में विभिन्न प्रवृत्तियों के विद्यार्थी अध्ययन करने आते हैं, यदि यह ग्रुप आवारा किस्म के विद्यार्थियों का है तो आप भी शनै-शनै आवारा हो जाएंगे, भले ही आपने 10वीं एवं 12वीं में उत्कृष्ट अंक प्राप्त किए हो लेकिन अब यह संभव नहीं हो पाएगा, क्योंकि आपका साथ आवारा किस्म के विद्यार्थियों के साथ है, आप क्लास की आखिरी बेंच के मालिक हो जाएंगे। यदि आपका ग्रुप इंटेलिजेंट विद्यार्थियों का है तो यह भविष्य निर्माण में प्रबल कार्य करेगा। यह वह ग्रुप होता है जिनके लक्ष्य पहले से ही निर्धारित होते हैं। समय का महत्व इन विद्यार्थियों के लिए सर्वोपरि रहता है। यदि इनका साथ मिलता है तो हमारा भी सर्वांगीण विकास स्वतः ही होने लगता है व हमारे सपने भी साकार होने लगेंगे। यदि ग्रुप नशेड़ी विद्यार्थियों का है तो आप यकीन मानिए की 3 साल के पश्चात आप भी नशेड़ी बन जाओगे, जो छिप-छिप कर सिगरेट, शराब व अन्य नशा करते हैं।आपको कॉलेज पहुंचने पर बहुत सतर्क रहने की आवश्यकता है। शीघ्र अति शीघ्र ऐसे ग्रुप से दूर होने का प्रयास करें जो आपके आचरण, आपके विचार, आपकी संस्कृति, आपकी पारिवारिक पृष्ठभूमि के विपरीत हो। कॉलेज में ऐसे विद्यार्थी भी रहते हैं जो लेक्चर अटेंड करने के लिए एक -एक घंटा इंतजार भी करते हैं, अपनी ऊर्जा को कॉलेज में सकारात्मक एवं संरचनात्मक कार्य में प्रयोग करते हैं।कॉलेज प्रत्येक विद्यार्थी को आगे बढ़ने का प्लेटफॉर्म उपलब्ध कराता है, आपकी रूचि को पंख लगाता है। अब यह आपको तय करना है कि आप स्वयं को कहां ले जाना चाहते हैं। स्कूल के अध्ययन के दौरान पैरेंट्स दिनभर आपका ख्याल रखते थें ,जहाँ सुबह समय पर उठाना, लंच बॉक्स तैयार करके देना, बस स्टॉप पर छोड़ना, पैरेंट मीटिंग अटेंड करके आपकी स्थिति को परखना इत्यादि। कॉलेज में पहुंचते ही पैरेंट्स भी समझते हैं कि बेटा-बेटी अब बड़े हो गए हैं, वे अच्छे बुरे का निर्णय स्वयं लेने में सक्षम हैं। अब वह आपके पीछे सदैव खड़े नहीं रह सकते हैं। आप कहां जाते हो, किसके साथ रहते हो, क्या खाते पीते हो, वह अब नहीं देख सकते क्योंकि उन्हें आपके बड़े होने के अहसास के साथ यह भी विश्वास है कि आप कोई गलत कार्य नहीं करेंगे।अब आपको स्वविवेक से यह तय करना होगा कि हम किसके साथ रहे?क्या खाना ह?, क्या पीना है? अर्थात स्वयं अनुशासित रहे। एक बात और, हम सब ने ऐसे देश में जन्म लिया है जहाँ खाने-पीने के अनेक व्यंजन हैं। साल खत्म हो जाएगा, लेकिन व्यंजन खत्म नहीं होंगे। हमें ही यह तय करना है कि हम किन व्यंजनों से दूर रहें।कॉलेज के इन तीन वर्षों में आप स्वयं को स्थापित करने की योजना बनाएं। आपकी वैल्यू को बढ़ाने का प्रयास करें क्योंकि जब आपकी वैल्यू बढ़ जाती है तो आप दूसरे से बहुत ऊपर हो जाते हैं। वैल्यू ही हमारी भविष्य की कमाई का रास्ता बनाती है। वैल्यू बढ़ाने का कोई सूत्र नहीं है, यह इन तीन वर्षों की मेहनत का प्रतिफल है। इन तीन वर्षों में आप अपनी कमियों को पहचानें और कमियों को दूर करें। जैसे-जैसे कमियां दूर होगी आप अच्छे से बेहतर और फिर बेहतर से बेहतरीन हो जाओगे।

डॉ परितोष अवस्थी
प्राचार्य

श्री वैष्णव कॉलेज ऑफ आर्ट्स एंड कॉमर्स, इंदौर में 77वाँ गणतंत्र दिवस हर्षोल्लास के साथ मनाया गया

श्री वैष्णव कॉलेज ऑफ आर्ट्स एंड कॉमर्स, इंदौर में आज 77वें गणतंत्र दिवस का आयोजन अत्यंत गरिमामय एवं उत्साहपूर्ण वातावरण में किया गया। इस अवसर पर समारोह की मुख्य अतिथि आकाशवाणी की प्रमुख उद्घोषिका सुश्री सुधा शर्मा रहीं।कार्यक्रम में महाविद्यालय की प्रबंधन समिति के अध्यक्ष श्री अरविन्द जी गुप्ता एवं श्री महेश जी चिमनानी की गरिमामयी उपस्थिति रही। समारोह का शुभारंभ महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. परितोष अवस्थी के स्वागत भाषण से हुआ।मुख्य अतिथि सुश्री सुधा शर्मा ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि "विद्यार्थियों को तनाव मुक्त रहकर आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ना चाहिए। उन्होंने आकाशवाणी से जुड़े अपने अनुभव साझा करते हुए बताया कि अनेक संघर्षों के बावजूद सही निर्णय ही सफलता की कुंजी होता है।"अध्यक्ष श्री अरविन्द गुप्ता जी ने अपने उद्बोधन में कहा कि "अनुशासन देश को सशक्त एवं प्रगतिशील बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।"इस अवसर पर विद्यार्थियों द्वारा देशभक्ति से ओतप्रोत सांस्कृतिक प्रस्तुतियाँ दी गईं, जिन्होंने सभी को राष्ट्रप्रेम की भावना से अभिभूत कर दिया। कार्यक्रम का कुशल संचालन कु. रेणुका जोशी ने किया तथा आभार प्रदर्शन डॉ. अनिल शर्मा द्वारा किया गया।कार्यक्रम में महाविद्यालय के समस्त प्राध्यापकगण एवं विद्यार्थीगण उपस्थित रहे। अंत में प्रबंध वर्ग द्वारा सफल आयोजन हेतु हार्दिक शुभकामनाएँ प्रेषित की ।

कॉले ज की आधिकारिक जानकारीके लिए
Instagram व YouTube पर फॉलो करें
svcac_media
svcc news

EDITION :AUGUST -JANUARY2026

Shri Vaishnav College of Arts and Commerce Hindi News Paper

शतकवीर होता डॉलर

शतक की और अग्रसर होता डॉलर डॉ.साक्षी मोटवानी के अनुसार आर्थिक और राजनीतिक अस्थिरता आज के समय मैं होने वाले युद्धों जैसे रूस और यूक्रेन वर्ष 2022 से सतत् इजराइल और फिलिस्तीन युद्ध राजनीतिक स्तर पर अस्थिरता का माहौल बनाया है। जिससे हमारी आर्थिक स्थिति भी प्रभावित हुई है अर्थात वस्तु एवं सेवाओं के ज्यादा मात्रा में आयात करना। भारत,तेल ,गैस ,इलेक्ट्रॉनिक ,मशीनरी आदि चीजों का बहुत बड़ी मात्रा में आयात करता है। इस आयत की तुलना में निर्यात मात्रा की कमी । वस्तुतः आयातित मॉल का भुगतान अन्य देशों मैं डॉलर के माध्यम से करता है विदेशी निवेशकों में गिरावट की स्थिति: जब बाहरी इन्वेस्टर को किसी दूसरी कंट्री में अपने द्वारा लगाया गया पैसा सुरक्षित नहीं लगता है, तो वह उसकी निकासी कर लेते हैं जिसके कारण भी डॉलर का बहिर्गमन होता है।

अभिषेक राबल
BAJMC FIRST YEAR

स्वाधीन बनो

विवेक को तुम्हारे धिक्कारती हूँ मैं, सामाजिक रिवाज़ों को नकारती हूँ मैं। मन में मैल, खुद की, जो दिखाई न दे जिन्हें— ऐसे धृतराष्ट्रों को पूजना स्वीकार नहीं मुझे। बेड़ियों में यूँ न समन्वय हो मेरा, बेहतर है कि स्वयं ही त्याग दो मुझे। अग्नि-परीक्षा लेनी है मुझसे तो पूछो—देनी है? यह सब जानकर, मैं खिज खा रही हूँ बस…इच्छामृत्यु नहीं— परिवर्तन की कोई आग दो मुझे। सीता, सती, सावित्री— गुण उन्हीं के चाहिए? तो राम, शिव, सत्यवान-सा भाव भी दो मुझे। यदि यह भी न कर सको, तो पहन लो चूड़ियाँ, बाँध लो घुँघरू, अपने 'पुरुष' होने का न ताव दो मुझे कि घर की स्त्री अनमोल — उसे नहीं, कुछ नहीं बोलते। बाक़ी तो बस जीवित मांस हैं, चीर-फाड़ दो देह को, मन को, आत्मा को— और प्रपंच सज्जनता का हो! तुम्हें क्या लगता है, चित्रगुप्त तुम्हारे पुण्य-पाप नहीं तोलते? निवेदन है उन स्त्रियों से भी जो पुरुष-जाल में बँधी हैं— तुम अपेक्षा करती हो किससे? जो रोटी नहीं बनाते है , बिना परोसे नहीं खाते है , जो स्नान को जाएँ तो तौलिया भूल जाते हैं। जो स्वयं को सँभाल न सकें, वे तुम्हें क्या संभालेंगे?
व्यंग नहीं हो तुम कोई जो पुरुष पर आधीन हो तानो से बचना है तो तुम इसी क्षण स्वाधीन बनो ।

कु .कशिश उपाध्याय
B.A PSY. THIRD YEAR

एक राष्ट्र, एक चुनाव: लोकतंत्र की आवश्यकता

'एक राष्ट्र, एक चुनाव' आज भारत जैसे लोकतांत्रिक देश के लिए आवश्यक है। भारत में लोकसभा और राज्य विधानसभाओं के चुनाव अलग-अलग समय पर होते हैं, जिससे देश में चुनावी माहौल हर समय बना रहता है। कई बार इसकी वजह से विकास कार्यों में रुकावट आती है और धन की अधिक खपत होती है। ऐसे में इस समस्या का एकमात्र उपाय बनता है — 'एक राष्ट्र, एक चुनाव'। 'एक राष्ट्र, एक चुनाव' का अर्थ है कि लोकसभा और विधानसभाओं के अलग-अलग चुनाव कराने की बजाय दोनों चुनाव एक साथ कराए जाएँ, ताकि केंद्र और राज्य सरकारें एक ही कार्यकाल में चल सकें। यह उपाय न केवल लोकतांत्रिक प्रक्रिया को सरल बनाएगा, बल्कि इसे अधिक पारदर्शी और प्रभावी भी बनाएगा। यह इस तथ्य से प्रमाणित होता है कि वर्तमान स्थिति में बार-बार चुनाव होने की वजह से चुनावी प्रक्रियाओं पर लाखों-करोड़ों रुपये खर्च होते हैं। इकोनॉमिक टाइम्स की एक खबर के अनुसार, वर्ष 2024 में चुनावों में कुल 1.35 लाख करोड़ रुपये खर्च किए गए, लेकिन यदि यही चुनाव एक साथ कराए जाते, तो निर्वाचन आयोग के अनुसार केवल 5300 करोड़ रुपये का खर्च आता। बार-बार आदर्श आचार संहिता लागू होने से कई बार विकास कार्यों में रुकावट आती है और सभी प्रकार के सरकारी कर्मचारी सरकारी कर्मचारियों तथा सुरक्षा बलों को चुनावी ड्यूटी पर लगाया जाता है। लेकिन यदि एक बार में चुनाव कराए जाएँ, तो इनकी ऊर्जा और संसाधन दोनों की बचत की जा सकती है और इन्हें अन्य महत्वपूर्ण कार्यों में लगाया जा

सकता है। यह सुझाव चुनाव प्रक्रिया को आसान बना सकता है, लेकिन इसे लागू करने से पहले संविधान में कई बदलाव करने होंगे। जैसे कि अनुच्छेद 83 और 172, जिनमें लोकसभा और राज्य विधानसभाओं का कार्यकाल निर्धारित है, तथा अनुच्छेद 85 और 174, जो चुनावों के समय से संबंधित हैं। इनके संशोधन के बिना 'एक राष्ट्र, एक चुनाव' संभव नहीं है। वहीं, Representation of the People Act, 1951 में भी संशोधन की आवश्यकता होगी, ताकि चुनाव संचालन, मतदान, उम्मीदवारों की योग्यता और आचार संहिता के नियम एक साथ चुनाव पर लागू हो सकें। इसके लिए केंद्र और राज्य सरकारों के बीच सहमति भी ज़रूरी होगी। इसके अलावा, ईवीएम, वीवीपैट, सुरक्षा व्यवस्था और मतदान केंद्रों की विशाल संख्या तैयार करना भी एक बड़ी चुनौती है। 'एक राष्ट्र, एक चुनाव' न केवल वित्तीय और प्रशासनिक बचत में मददगार है, बल्कि विकास कार्यों को निरंतर बनाए रखने में भी सहायक होगा। यदि सभी पक्ष और सरकारें एक साथ मिलकर इसे अपनाएँ, तो यह भारतीय लोकतंत्र के लिए एक ऐतिहासिक कदम सिद्ध हो सकता है।

कु .कनिका सिसौदिया BAJMC
FIRST YEAR

26 जनवरी, गणतंत्र दिवस के पावन अवसर पर मंच संचालन (एंकरिंग) करने का अवसर मिलना मेरे लिए अत्यंत गर्व और सम्मान की बात थी। इस राष्ट्रीय पर्व पर मंच से सभी को संबोधित करना मेरे लिए एक अविस्मरणीय अनुभव रहा। कार्यक्रम में प्रस्तुत ऑर्केस्ट्रा प्रस्तुति ने पूरे वातावरण को देशभक्ति की भावना से भर दिया। हर सुर में भारत की आत्मा झलक रही थी। इसके पश्चात छात्र द्वारा दिया गया भाषण अत्यंत प्रेरणादायक था, जिसने हमें हमारे कर्त्तव्यों और जिम्मेदारियों की याद दिलाई। इस समारोह की शोभा हमारी मुख्य अतिथि, सुश्री सुधा शर्मा जी की उपस्थिति से और भी बढ़ गई। आकाशवाणी की सशक्त और मधुर आवाज़ के रूप में जानी जाने वाली आ सुधा शर्मा जी की वाणी में अनुभव, आत्मविश्वास और संस्कारों की झलक साफ़ दिखाई देती है। उनकी आवाज़ सुनना वास्तव में प्रेरणादायक अनुभव रहा। एक एंकर के रूप में यह कार्यक्रम मेरे लिए आत्मविश्वास बढ़ाने वाला रहा। इसने मुझे मंच भय पर विजय पाने, संवाद कौशल निखारने और स्वयं पर विश्वास करना सिखाया। यह अनुभव मेरे लिए केवल एक कार्यक्रम नहीं, बल्कि सीख और आत्मविकास की यात्रा रहा। , मैं अपने महाविद्यालय की आभारी हूँ, जिसने मुझ पर विश्वास कर यह महत्वपूर्ण जिम्मेदारी सौंपी। यह गणतंत्र दिवस सदैव मेरी स्मृतियों में विशेष स्थान रखेगा।

रे णु का जोशी
B. com Com.App
Ist year

कॉले ज की आधिकारिक जानकारीके लिए
Instagram व YouTube पर फॉलो करें
svcac_media
svcc news

Contact Number +91-731-2780009, 2380060 | Email Id principalsvcc@gmail.com | Collegeg Webiste svcc.edu.in | Admission Helpine 9425979105,9009435275, 9827315522

बॉक्सिंग में श्री वैष्णव कॉलेज ऑफ आर्ट्स एंड कॉमर्स के खिलाड़ी का शानदार प्रदर्शन

श्री वैष्णव कॉलेज ऑफ आर्ट्स एंड कॉमर्स, इंदौर के बी.कॉम प्रथम वर्ष के छात्र श्री विनय कुशवाह ने 55 कि.ग्रा. भार वर्ग में प्रथम स्थान प्राप्त करते हुए स्वर्ण पदक जीता तथा इंटर यूनीवर्सिटी (ऑल इंडिया) प्रतियोगिता के लिए चयनित हुए। उच्च शिक्षा विभाग के निर्देशानुसार, देवी अहिल्या विश्वविद्यालय के संयुक्त तत्वावधान में संभाग स्तरीय बॉक्सिंग (पुरुष वर्ग) प्रतियोगिता सत्र 2025-26 का आयोजन दिनांक 03.12.2025 को तक्षशिला परिसर, स्पोर्ट्स डिपार्टमेंट (UTD) द्वारा किया गया। जिसमें विभिन्न महाविद्यालयों के लगभग 70 खिलाड़ियों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की।इस उत्कृष्ट उपलब्धि पर प्रबंधक वर्ग के चेयरमैन श्री अरविंद जी गुप्ता एवं सचिव श्री महेश जी चिमनानी ने खिलाड़ी को बधाई व उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएँ प्रेषित कीं।महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. परितोष अवस्थी, प्रो. विभोर ऐरन एवं खेल अधिकारी डॉ. वी. एस. राणा ने भी इस सफलता पर हर्ष व्यक्त करते हुए छात्र की प्रशंसा की।

आत्मनिर्भर मेला 2025

इंदौर। श्री वैष्णव कॉलेज ऑफ आर्ट्स एंड कॉमर्स में ‘आत्मनिर्भर दिवाली धमाका मेला 2025’ का आयोजन हुआ। मुख्य अतिथि शसी निकाय के अध्यक्ष अरविंद गुप्ता एवं सह सचिव शम्मी कपूर ने दीप प्रज्वलन कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया।अध्यक्ष श्री गुप्ता ने विद्यार्थियों की आत्मनिर्भरता को प्रोत्साहित करने वाले ऐसे आयोजनों की सराहना की, वहीं प्राचार्य डॉ. परितोष अवस्थी ने विद्यार्थियों की सृजनशीलता को उनके उज्ज्वल भविष्य की नींव बताया। मेले में विद्यार्थियों ने सजावट, रंगोली, फूड व बेकरी आइटम, हस्तनिर्मित वस्तुएँ और पारंपरिक व्यंजनों के आकर्षक स्टॉल लगाए।कार्यक्रम के मुख्य सूत्रधार प्रो. विभोर ऐरन, डॉ. राकेश उपाध्याय रहे डॉ. वंदना मिश्र और अंजू अग्रवाल द्वारा किया गया। संचालन डॉ. अनिल शर्मा और आभार प्रियंका जैन ने किया।

संगीत प्रतियोगिता में निर्णायक के रूप में डॉ. कार्तिका मेहता एवं प्रो. दर्शा शर्मा रहीं। इसी अवसर पर सुसज्जित मनोविज्ञान प्रयोगशाला का उद्घाटन भी किया गया, जिसका संयोजन प्रो. श्रद्धा मान्धन्या ने किया। कार्यक्रम में 500 से अधिक विद्यार्थी, प्राध्यापक व अभिभावक उपस्थित रहे।

छात्रों ने किया आकाशवाणी रेडियो स्टेशन का दौरा

इंदौर। श्री वैष्णव कॉलेज ऑफ आर्ट्स एंड कॉमर्स के जर्नलिज्म विभाग के छात्रों ने आकाशवाणी रेडियो स्टेशन, रेडियो कॉलोनी का शैक्षणिक दौरा किया। इस दौरान छात्रों ने रेडियो निर्माण तकनीक, सामग्री निर्माण और प्रसारण प्रक्रिया से जुड़ी गतिविधियों की जानकारी प्राप्त की। पिछले 35 वर्षों से आकाशवाणी से जुड़ी वरिष्ठ उद्घोषिका सुधा शर्मा ने कहा कि यह दौरा छात्रों के लिए रेडियो उद्योग को करीब से समझने का एक शानदार अवसर है। जर्नलिज्म विभाग के सहायक प्राध्यापक सत्यम पांचाल ने बताया कि आकाशवाणी, भारत के सार्वजनिक सेवा प्रसारक ऑल इंडिया रेडियो का हिस्सा है, जो दशकों से श्रोताओं तक उच्च-गुणवत्ता की सामग्री पहुँचा रहा है। आईटी एक्सपर्ट एवं महाविद्यालय के प्राध्यापक डॉ. राकेश उपाध्याय ने कहा कि इस विजिट का उद्देश्य छात्रों को आधुनिक तकनीक और रेडियो प्रसारण की कार्यप्रणाली से सीधे जोड़ना है। इससे छात्रों को डिजिटल युग में मीडिया के बदलते स्वरूप को समझने में मदद मिलेगी

कॉले ज की आधिकारिक जानकारीके लिए
Instagram व YouTube पर फॉलो करें
svcac_media
svcc news

युवा शक्ति व राष्ट्र निर्माण पर केंद्रित रहा “राष्ट्रीय सेवा योजना” स्थापना दिवस

इंदौर. श्री वैष्णव कॉलेज ऑफ आर्ट्स एंड कॉमर्स में राष्ट्रीय सेवा योजना का स्थापना दिवस उत्साहपूर्वक मनाया गया. कार्यक्रम का शुभारंभ प्राचार्य डॉ. पारितोष अवस्थी के मार्गदर्शन में हुआ.उन्होंने अपने उद्बोधन में विद्यार्थियों को राष्ट्र निर्माण में महत्त्वपूर्ण भूमिका से अवगत कराया. इस अवसर पर प्रो. विभोर एरन ने विद्यार्थियों को सेवा संगठन के विविध कार्यों की जानकारी दी, वहीं डॉ. गायत्री पलोड ने युवाओं को संगठन से जुड़कर समाजसेवाके लिए प्रेरित किया.रा सी यो कार्यक्रम अधिकारी डॉ. जी एस. भाटिया ने संगठन के माध्यम से देशहित में किए जा सकने वाले योगदानों पर प्रकाश डाला. कार्यक्रम में डॉ. हितेश चौधरी ने विद्यार्थियों को राष्ट्र सेवा की शपथ दिलाई. संचालन सह-प्राध्यापक सत्यम पांचाल ने किया. इस अवसर पर 100 से अधिक विद्यार्थी एवं शिक्षकगण उपस्थित रहे.

आज की युवा पीढ़ी के पास असीम शक्ति है

श्री वैष्णव कॉलेज ऑफ आर्ट्स एंड कॉमर्स में “शोध की कला में निपुणता” विषय पर एक दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया, जिसमें देशभर के शिक्षाविदों, शोधार्थियों और विशेषज्ञों ने शोध के विभिन्न आयामों पर अपने विचार प्रस्तुत किए। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि डॉ. आर. सी. दीक्षित (अतिरिक्त संचालक, उच्च शिक्षा विभाग, इंदौर संभाग तथा विशेष अतिथि डॉ. योगेश गोस्वामी (कुलगुरु, वैष्णव विद्यापीठ विश्वविद्यालय) रहे। कार्यक्रम का शुभारंभ माँ सरस्वती के पूजन से हुआ।स्वागत उद्बोधन महाविद्यालय शासकीय निकाय सचिव श्री महेश चिमनानी ने दिया। उन्होंने कहा कि लक्ष्य प्राप्ति के लिए वहीं से शुरुआत करनी चाहिए जहाँ हम हैं। अतिथि परिचय प्राचार्य डॉ. परितोष । अवस्थी ने प्रस्तुत किया। शासकीय निकाय अध्यक्ष श्री अरविंद ने कहा कि सफल शोध के लिए लगन, जिज्ञासा और लक्ष्य पर पैनी नज़र आवश्यक है।मुख्य अतिथि डॉ. आर. सी. दीक्षित ने कहा कि आज की युवा पीढ़ी के पास असीम शक्ति है, आवश्यकता केवल हनुमान की तरह अपनी शक्ति को पहचानने की है। उन्होंने विद्यार्थी जीवन में अनुशासन और परिश्रम को सफलता की कुंजी बताया। विशेष अतिथि कुलगुरु डॉ. योगेश गोस्वामी ने शारीरिक व मानसिक स्वास्थ्य को सफलता का आधार बताते हुए कहा कि शोध तभी सार्थक है जब वह समाज के लिए उपयोगी हो।

संगोष्ठी के प्रथम सत्र का संचालन डॉ. एस. एम. अनस इकबाल ने किया, जिसमें शोध प्रक्रिया, विषय चयन और डेटा संकलन पर चर्चा हुई। द्वितीय सत्र में डॉ. महेश जोशी ने डेटा एनालिसिस के महत्व पर प्रकाश डालते हुए रणनीतिक सोच, टीम वर्क और नवाचार को आवश्यक बताया। कार्यक्रम का संचालन डॉ. मनीष दुबे ने किया तथा आभार प्रदर्शन डॉ. अंशु मिश्रा द्वारा किया गया।

संभाग स्तरीय महिला टेबल टेनिस प्रतियोगिता

श्री वैष्णव कॉलेज ऑफ आर्ट्स एंड कॉमर्स में संभाग स्तरीय महिला टेबल टेनिस प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में इंदौर एवं खंडवा जिले की कुल आठ टीमों ने भाग लिया।प्रतियोगिता के दौरान खेल भावना और अनुशासन का विशेष ध्यान रखा गया। इस अवसर पर महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. परितोष अवस्थी ने कहा कि खेल न केवल शारीरिक बल्कि मानसिक विकास के लिए भी आवश्यक हैं। खेलों से आत्मविश्वास बढ़ता है और टीम भावना विकसित होती है।प्रतियोगिता में विजेता टीमों को ट्रॉफी एवं प्रमाण पत्र प्रदान किए गए। इस अवसर पर महाविद्यालय के खेल प्रभारी, शिक्षक एवं विद्यार्थी उपस्थित रहे। कार्यक्रम का सफल संचालन डॉ दिव्या शर्मा व आभार स्पोर्ट्स ऑफिसर डॉ वी एस राणा द्वारा किया गया।

कॉले ज की आधिकारिक जानकारीके लिए
Instagram व YouTube पर फॉलो करें
svcac_media
svcc news

मां की आराधना व गरबा प्रतियोगिता का आयोजन

इंदौर| श्री वैष्णव आर्ट्स एंड कॉमर्स कॉलेज में मां की साधना एवं गरबा प्रतियोगिता का आयोजन किया गया. कार्यक्रम की शुरुआत देवी माता की पूजा-अर्चना, आरती एवं प्रसाद वितरण से हुई. इस अवसर पर निर्णायक के रूप में दीपिका यादव को आमंत्रित किया गया. प्राचार्य डॉ. पारितोष अवस्थी ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि गरबा मां की आराधना का प्रतीक है, इसे सात्विक भाव से किया जाना चाहिए. मुख्य अतिथि ने भी सभी विद्यार्थियों को प्रोत्साहित करते हुए प्रतियोगिता के कुछमुख बिंदुओंको विस्तार से समझाया. प्रतियोगिता में कुल 9 दलों ने भाग लिया. इसमें मोहित ग्रुप ने प्रथम स्थान, शिवांगी ग्रुप ने द्वितीय स्थान तथा रौनक ग्रुप ने तृतीय स्थान प्राप्त किया. विजेता प्रतिभागियों को ट्रॉफी एवं नकद पुरस्कार से सम्मानित किया गया. इस अवसर पर शासी निकाय के अध्यक्ष अरविंद गुप्ता सचिव महेश चिमनानी ने अपने संदेश में सभी प्रतिभागियों को शुभकामनाएं दीं. संचालन डॉ अनिल शर्मा ने किया. संयोजक डॉ. वंदना मिश्र ने आभार व्यक्त किया. कार्यक्रम में समस्त समिति समन्वयक प्रो. विभोर ऐरन, शिक्षक प्रतिनिधि डॉ. राकेश उपाध्याय, डॉ ललित चौहान सहित सभी वरिष्ठ प्राध्यापक एवं कर्मचारीगण उपस्थित रहे. कार्यक्रम में 400 से अधिक विद्यार्थी उपस्थित रहे.

Contact Number +91-731-2780009, 2380060 | Email Id principalsvcc@gmail.com | Collegeg Webiste svcc.edu.in | Admission Helpine 9425979105,9009435275, 9827315522

शिक्षाविदों की कलम से....

साइबर फ्रॉड के युग में जागरूकता: एक अनिवार्य आवश्यकता

आज हम एक ऐसे युग में जी रहे हैं जहाँ खतरा हमारे साथ हर पल घूमता है— एक ऐसा खतरा, जिसे हम साइबर फ्रॉड के नाम से जानते हैं। शिक्षा क्षेत्र के साथ साइबर सिक्योरिटी से जुड़ना मेरी जिज्ञासा का परिणाम था। कंप्यूटर साइंस में पी.एच.डी. ने मुझे साइबर सुरक्षा से जोड़ा। आज के इस डिजिटल युग में अवेयरनेस बेहद ज़रूरी है। उच्च शिक्षित वर्ग आज के समय में सबसे अधिक साइबर फ्रॉड का शिकार हो रहे है, क्योंकि समाज का यह वर्ग अपनी सामाजिक छवि और प्रतिष्ठा को बचाने के चलते कई बार गलत निर्णय ले बैठता है, जो उसे साइबर फ्रॉड का शिकार बना देता है। साइबर सुरक्षा के लिए न तो OTP साझा करना चाहिए, न ही स्क्रीनशॉट भेजने चाहिए और न ही किसी भी प्रकार की कॉल कनेक्टिंग, मर्जिंग या फॉरवर्डिंग करनी चाहिए। ये गतिविधियाँ हमे सामान्य लगती हैं, परंतु साइबर दुनिया में लोग इन्हीं के कारण बड़े फ्रॉड का शिकार हो जाते हैं।

एक आदर्श पासवर्ड वह होता है, जिसमें UPPERCASE, lowercase, चार अंक और एक स्पेशल कैरेक्टर मौजूद हो। आमतौर पर लोग अपनी जन्मतिथि को पासवर्ड रखते हैं, जिससे हैकर्स आसानी से पासवर्ड हैक कर सकते हैं|

आज हम इस छोटे से डिवाइस के कंट्रोल में जा रहे हैं, ऐसे में सतर्कता ही एकमात्र उपाय है। फिर भी यदि कोई व्यक्ति साइबर फ्रॉड का शिकार हो जाता है, तो उसे तुरंत हेल्पलाइन नंबर 1930 या www.cybercrime.gov.in पर संपर्क करना चाहिये|

डॉ राकेश उपाध्याय
सहायक प्राध्यापक, SVCAC

सिविल सर्विसेज में सफलता की कुंजी:-“बीए” पॉलिटिकल साइंस

प्रिय विद्यार्थियों, अगर आप समाज को समझना, नीतियाँ बनाना और देश की प्रशासनिक व्यवस्था की दिशा तय करना चाहते हैं, तो सिविल सेवाएँ एक प्रतिष्ठित करियर विकल्प हैं जिसमें आर्ट्स विषय विशेष रूप से राजनीति विज्ञान के अध्ययन की महत्वपूर्ण भूमिका होती हैं। आज के बदलते सामाजिक-राजनीतिक परिदृश्य में सिविल सर्विसेज़ की प्रासंगिकता पहले से कहीं अधिक बढ़ गई है। वैश्वीकरण, डिजिटल गवर्नेंस, सामाजिक न्याय, पर्यावरण संरक्षण और समावेशी विकास जैसी समकालीन चुनौतियों का समाधान सक्षम, संवेदनशील और ईमानदार प्रशासन (सिविल सेवा) के बिना संभव नहीं है। सिविल सेवा में सफल होने के लिए देश की राजनीतिक व्यवस्था, संविधान और शासन प्रणाली की गहरी समझ अत्यंत आवश्यक है, और यही समझ राजनीति विज्ञान विषय से मिलती है। राजनीति विज्ञान छात्रों को भारतीय संविधान, लोकतांत्रिक संस्थाओं, संसद, न्यायपालिका और केंद्र–राज्य संबंधों का स्पष्ट ज्ञान देता है, जो UPSC और MPPSC जैसी प्रतिष्ठित परीक्षाओं का मूल आधार है। ग्रेजुएशन में आर्ट्स और विशेष रूप से राजनीति विज्ञान चुनना सिविल सर्विस की तैयारी को सरल, सार्थक और उद्देश्यपूर्ण बनाता है।

प्रो हितेश चौधरी सहायक प्राध्यापक,
SVCAC

मौन का महाकाव्य : स्त्री की अदृश्य शक्ति

प्रतिशोध — यह शब्द ही मेरे स्वभाव में कभी स्थान नहीं पा सका। मैं कोई युद्ध-रति योद्धा नहीं, जिसे अपने अंतर्मन की अग्नि से संसार जलते हुए देखने में सुख मिले। मैं एक सरल, सहज, निर्विकार-सी स्त्री हूँ — मेरे लिए क्रोध कोई धधकती ज्वाला नहीं, जिसे भड़का देना मेरे अस्तित्व का प्रमाण हो; मेरे लिए मौन ही वह मारक अस्त्र है, जिसकी धार शब्दों से कहीं अधिक प्रखर होती है।

लोग मेरी खामोशी को अक्सर मेरी कमजोरी मान लेते हैं। उन्हें प्रतीत होता है कि जो स्त्री मौन रहती है, वह असहाय है; जो उत्तर नहीं देती, वह परास्त हो चुकी है। पर वे यह सत्य नहीं जानते कि स्त्री जब शांत होती है, तो वास्तव में वह अंतिम बार बोल रही होती है — बिना शब्दों के, बिना शोर के।स्त्री का मौन, उसकी पराजय नहीं —उसका अंतिम निर्णय होता है।जब मेरे भीतर का विश्वास टूटता है, तो मैं कोलाहल नहीं करती। मैं अपमान के प्रतिघात में चिल्लाती नहीं। मैं अपनी थकान का रोना भी दुनिया के सामने नहीं रोती। मैं बस धीरे से अपने हृदय का अंतिम किवाड़ बंद कर देती हूँ — वहाँ जहाँ कभी पूर्ण विश्वास और अनंत स्नेह का निवास हुआ करता था। यह शांति केवल ठहराव नहीं,बल्कि गहरे अंत का गंभीर उद्घोष हैं | यह वह क्षण है, जब मेरा स्नेह, मेरी सहनशीलता, मेरे स्वप्न — सब एक चिर-निशब्द विराम में जम जाते हैं। तब मैं जान जाती हूँ कि मेरी आत्मा अब किसी और के लिए आहत होने को तैयार नहीं। तब मैं अपने ही मौन में आश्रय ले लेती हूँ — क्योंकि वही मौन मुझे पुनः जन्म देता है, मेरे स्वाभिमान को पुनस्थापित करता है।

स्त्री का मौन —एक प्रखर प्रतिरोध है,एक निर्णायक वलय,एक पवित्र मुक्ति और जिस दिन मैं सचमुच शांत हो जाऊँ —उस दिन यह समझ लेना कि रिश्ते की दास्तान अपने अंतिम पृष्ठ पर पहुँच चुकी है।मैंने उसे बिना किसी हाहाकार, बिना किसी विदाई,एक स्थिर पूर्ण विराम दे दिया है।

क्योंकि कुछ अंत — तोड़ते नहीं,
चुपचाप मुक्त कर देते हैं।स्त्री का मौन...
उसकी सबसे बड़ी घोषणा होता है एक ऐसी घोषणा जो शब्दों से नहीं,आत्मसम्मान की ऊँचाइयों से लिखी जाती है।

डॉ वन्दना मिश्र, सहायक प्राध्यापक
SVCAC

रे मन अब तो तू समझ...

क्यूँ फुदकता रहता है हर क्षण इधर से उधर, कभी खुश तो कभी उदास सा,
कैसा है तुझे ये ज्वर, डुबकिया लगाता रहता है नदी में, कभी भीतर कभी उपर,
मचलता रहता है मछलियों सा, थोड़ी तो सब्र रख,
क्यों रहता है इतना परेशान हर वक़्त, थोड़ी तो ठंड रख,
आशाएँ तो आसमान छूने की है, पहले सीढ़ियों पर तो पैर रख,
चाहता है उड़ना आकाश में, पहले जमीन पर तो ठीक से चल, तमन्नाएँ है आज़ाद रहने की तेरी, पहले मोह के भवंर से तो निकल,
कैसे करेगा सामना दुनिया का, पहले खुद से तो लड़, जीत लेगा तू जंग सारी, बस खुद पर नियंत्रण रख, जो कुछ भी है तेरे भाग्य में, वो तो तुझे मिल ही जायेगा,
जो नही है नसीब में, वो तू कहा से पायेगा,
मंज़िल जो तय है तेरी
नियती में, वहां तक तू पहुँच ही जायेगा, सब कुछ मिल भी गया तब भी, कौन सा तुझे चैन आयेगा, तू तो मनचला है, चल पड़ता है कभी भी कहीं पर, ना होगा हावी दिमाग पर, खुद से ये वादा कर, स्थिर हो शांत रह, ना भटक इस कदर दर-बदर, गति है तेरी सबसे ज्यादा, थोड़ा ब्रेक लगा के रख, बड़-बड़ करता रहता है बेवजह, अपनी ज़ुबान पर लगाम रख, माहिर गोता खोर है तू, बस खुद के भीतर उतर, सारे हीरे-मोती-रत्न पा लेगा तू, बस खुद को तलाश कर, खुश रह प्रसन्न रह, हो जा बिल्कुल मस्त, तुझे निश्चिंत करने को, जब उपर वाला है व्यस्त,
रे मन अब तो तू समझ...

डॉ दिव्या शर्मा सहायक प्राध्यापक, SVCAC

बी.ए. इतिहास : अवसरों से भरा एक सशक्त विषय

बी.ए. इतिहास एक ऐसा विषय है जो छात्रों के लिए विविध और व्यापक करियर अवसर उपलब्ध कराता है। इस विषय के अध्ययन से विद्यार्थी प्रशासनिक सेवाओं, राज्य एवं केंद्र सरकार की प्रतियोगी परीक्षाओं, शिक्षण, शोध तथा अकादमिक क्षेत्र में आगे बढ़ सकते हैं। इसके अतिरिक्त पत्रकारिता, जनसंचार, कंटेंट लेखन, विधि, अभिलेखागार, संग्रहालय, विरासत प्रबंधन एवं पर्यटन जैसे क्षेत्रों में भी इतिहास के विद्यार्थियों की विशेष मांग रहती है।बी.ए.इतिहास आलोचनात्मक सोच, विश्लेषण क्षमता और प्रभावी लेखन कौशल विकसित करता है, जो किसी भी पेशे में आवश्यक होते हैं। यह विषय छात्रों को न केवल रोजगारोन्मुख बनाता है, बल्कि उन्हें समाज और प्रशासन की गहरी समझभी प्रदान करता है, जिससे वे एक सफल एवं जिम्मेदार पेशेवर बन सकते हैं।

डॉ.प्रियका सिंदल,सहायक प्राध्यापक,SVCAC

EDITION :AUGUST -JANUARY 2026

Shri Vaishnav College of Arts and Commerce Hindi News Paper

शिक्षाविदों की कलम से....

राष्ट्रीय स्तर तक वैष्णव की उड़ान

वैष्णव कला एवं वाणिज्य महाविद्यालय, इंदौर में खेलकूद विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास एवं उज्ज्वल करियर निर्माण का एक सशक्त माध्यम है। महाविद्यालय के विद्यार्थियों ने विभिन्न राज्य स्तरीय एवं राष्ट्रीय स्तर की खेल प्रतियोगिताओं में सहभागिता कर स्वर्ण, रजत एवं कांस्य पदक प्राप्त कर संस्थान को गौरवान्वित किया है | शैक्षणिक सत्र 2025–2026 में देवी अहिल्या विश्वविद्यालय के तत्वावधान में आयोजित प्रतियोगिताओं में खिलाड़ियों ने कुल 19 स्वर्ण, 02 रजत एवं 01 कांस्य पदक अर्जित कर राष्ट्रीय स्तर पर खेलने हेतु चयन प्राप्त किया। खेलकूद से जुड़े विद्यार्थी खेल प्रशिक्षक, शारीरिक शिक्षा अध्यापक, फिटनेस ट्रेनर, खेल अधिकारी, रेफरी, खेल पत्रकारिता, खेल प्रबंधन एवं खेल प्रशासन जैसे विविध करियर विकल्पों में आगे बढ़ सकते हैं। खेल अनुशासन, नेतृत्व क्षमता, टीमवर्क और आत्मविश्वास विकसित करता है, जो प्रत्येक पेशे में अत्यंत उपयोगी होते हैं। यह मेरे लिए अत्यंत गौरव का विषय है कि सत्र 2024–25 में देवी अहिल्या विश्वविद्यालय के आदरणीय कुलगुरु जी ने मुझे खेल प्रशिक्षक के रूप में सम्मानित किया। यह उपलब्धि महाविद्यालय के मार्गदर्शन और यहाँ की खेल व्यवस्था की गुणवत्ता का ही परिणाम है।

डॉ. वी. एस राणा
स्पोर्ट्स ऑफिसर SVCAC

पीएच.डी. शोध के लिए विश्वसनीय संस्थान

श्री वैष्णव कॉलेज ऑफ़ आर्ट्स एंड कॉमर्स एक प्रतिष्ठित एवं अनुभवी संस्थान है, जो कॉमर्स विषय में पीएच.डी. हेतु मान्यता प्राप्त रिसर्च सेंटर है। यहाँ योग्य एवं विषय विशेषज्ञ पीएच.डी. गाइड्स द्वारा शोध के प्रत्येक चरण में सतत मार्गदर्शन प्रदान किया जाता है।संस्थान की समृद्ध लाइब्रेरी में 1000 से अधिक पीएच.डी. थीसिस उपलब्ध हैं, जिससे विषय चयन, रिसर्च गैप पहचान एवं अध्ययन में सहायता मिलती है। शोध को सुव्यवस्थित करने हेतु सिनॉप्सिस, रिसर्च प्रपोज़ल एवं थीसिस लेखन के निर्धारित फॉर्मेट उपलब्ध कराए जाते हैं।शोधार्थियों को N-LIST (INFLIBNET) एवं NDLI जैसी राष्ट्रीय–अंतरराष्ट्रीय डिजिटल लाइब्रेरी सुविधाएँ उपलब्ध हैं, जिससे ई-जर्नल्स, ई-बुक्स एवं शोध पत्रों तक सहज पहुँच संभव है। यहाँ रिसर्च मेथडोलॉजी, रिसर्च राइटिंग, पब्लिकेशन एवं डेटा एनालिसिस से संबंधित नियमित वर्कशॉप, सेमिनार एवं FDP आयोजित किए जाते हैं। संस्थान में अनुशासित, शोधोन्मुख वातावरण, आवश्यक तकनीकी संसाधन, इंटरनेट सुविधा, अध्ययन कक्ष तथा निरंतर मॉनिटरिंग व फीडबैक के माध्यम से समयबद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण पीएच.डी. पूर्ण करने में सहयोग प्रदान किया जाता है।

डॉ अशु मिश्रा
सहायक प्राध्यापक, SVCAC

उज्जवल भविष्य के लिए चयन करें -पत्रकारिता

पत्रकारिता एक ऐसा क्षेत्र है जहाँ आप अपनी लेखनी से समाज को जागरूक कर सकते हैं, बदलाव ला सकते हैं और लोगों की आवाज़ बन सकते हैं। यदि आप पत्रकारिता में प्रवेश करना चाहते हैं तो आइए श्री वैष्णव कॉलेज ऑफ आर्ट्स एंड कॉमर्स,इंदौर में।यहाँ के अनुभवी प्राध्यापकों से लेखन के कौशल को विकसित करने की कला में पारंगत हो। पत्रकारिता में समाचार और घटनाओं की जानकारी होना आवश्यक जानकारी, समाचार पत्र, टीवी और ऑनलाइन मीडिया के माध्यम से समाचार और घटनाओं पर विस्तृत जानकारी मिलेगी। BA /BJMC पाठ्यक्रम से आप तत्काल पत्रकारिता को अपना रोजगार बना सकते है । वीडियोग्राफर, कार्टूनिस्ट, समाचार वाचक, सम्पादक, शहर सवांददाता, प्रतिनिधि, एडिटर ,पत्रकार के रूपों में अपनी प्रतिभा निखार सकते हैं। आपके उत्तरोत्तर विकास के लिए श्री वैष्णव कॉलेज ऑफ आर्ट्स एंड कॉमर्स इंदौर सहभागी है।

डॉ प्रणव श्रोत्रिय ,सहायक प्राध्यापक, SVCAC

B .COM के बाद M.COM क्यूँ ज़रूरी ?

बी.कॉम (B.Com) के बाद M.Com करना उन विद्यार्थियों के लिए अत्यंत लाभकारी है जो कॉमर्स, अकाउंटिंग, फाइनेंस, टीचिंग एवं रिसर्च में करियर बनाना चाहते हैं। M.Com से अकाउंटिंग, फाइनेंस, इकोनॉमिक्स, टैक्सेशन एवं मैनेजमेंट का गहन ज्ञान प्राप्त होता है तथा रिसर्च और एनालिटिकल स्किल्स मजबूत होती हैं। यह डिग्री कॉलेज लेक्चरर बनने, UGC-NET/SET की तैयारी और आगे Ph.D. के लिए मजबूत आधार प्रदान करती है। इसके साथ ही अकाउंटेंट, फाइनेंशियल एनालिस्ट, टैक्स कंसल्टेंट, बैंकिंग, इंश्योरेंस एवं कॉर्पोरेट सेक्टर में बेहतर जॉब अवसर, प्रमोशन और सैलरी में बढ़ोतरी के अवसर मिलते हैं।यदि कोई विद्यार्थी B.Com 4th Year Honours या B.Com 4th Year Honours with Research करता है, तो उसका सबसे बड़ा लाभ यह है कि वह एक की डिग्री प्राप्त कर लेता है। चूँकि अधिकांश विषय पहले से पढ़े हुए होते हैं, इसलिए अध्ययन में कोई कठिनाई नहीं आती और साथ-साथ गवर्नमेंट, प्रोफेशनल एवं कॉम्पिटेटिव परीक्षाओं की तैयारी भी आसानी से की जा सकती है।B.Com 4th Year Honours या Honours with Research करने के बाद विद्यार्थी को M.Com केवल एक वर्ष में करना होता है, अर्थात दो वर्षों में दो डिग्रियाँ प्राप्त की जा सकती हैं। यह Ph.D., NET/JRF और अन्य प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए भी लाभकारी है। साथ ही, यह चार वर्षीय ग्रेजुएशन माना जाता है, जिससे विदेश में उच्च शिक्षा के अवसरों में भी कोई समस्या नहीं आती और भविष्य सुरक्षित एवं सुनिश्चित होता है|

डॉ अनिल शर्मा ,सहायक प्राध्यापक, SVCAC

क्लास 12 के बाद साइकोलॉजी क्यों?

आज के दौर में जहाँ मानसिक तनाव, एंग्जायटी और भावनात्मक समस्याएँ तेज़ी से बढ़ रही हैं, साइकोलॉजी एक ऐसा विषय बन गया है जो न सिर्फ करियर बल्कि समाज की ज़रूरत भी है। यह विषय मानव व्यवहार, सोच और भावनाओं को वैज्ञानिक ढंग से समझने की क्षमता देता है। आर्ट्स, कॉमर्स या साइंस किसी भी स्ट्रीम के विद्यार्थी क्लास 12 के बाद साइकोलॉजी विषय का चयन उच्च शिक्षा हेतु कर सकते हैं और आगे चलकर स्कूल, अस्पताल, कॉर्पोरेट, NGO या काउंसलिंग जैसे क्षेत्रों में करियर बना सकते हैं। टेक्नोलॉजी बदल सकती है, लेकिन मानव व्यवहार हमेशा अस्तित्व में रहेगा इसलिए साइकोलॉजी हमेशा एक प्रासंगिक विषय रहेगा। इसी संदर्भ में श्री वैष्णव कॉलेज आफ आर्ट्स एंड कॉमर्स एक ऐसा संस्थान है , जहां साइकोलॉजी विषय का अध्यापन केवल पुस्तकीय ज्ञान तक सीमित न होकर , व्यावहारिक एवं प्रायोगिक रूप से विद्यार्थियों को तैयार करने हेतु उन्हें काउंसलिंग प्रैक्टिस, मानव व्यवहार को समझने हेतु उपयोग में आने वाले विभिन्न उपकरणों से युक्त प्रयोगशाला में प्रैक्टिकल अप्रोच के साथ तैयार करता है जिससे भविष्य में वह इस क्षेत्र में अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करते हुए एक अच्छे करियर की ओर बढ़ सके |

प्रो. श्रद्धा मानधन्या ,सहायक प्राध्यापक, SVCAC

कॉलेज की आधिकारिक जानकारीके लिए Instagram व YouTube पर फॉलो करें
svcac_media
svcc news

Contact Number +91-731-2780009, | Email Id principalsvcc@gmail.com | Collegeg Webiste svcc.edu.in | Admission Helpine 9425979105,9009435275, 9827315522